Godda College, Godda

Name of the teacher	Course	Sem	Subject	Title	mode
Dr. Pankaj Kumar	B.Ed	II	T.C-204	Techniques and tools of evaluation	pdf

P.Kumar
18/04/2020

T.C-204

Unit-4.

Techniques and tools of Evaluation - मूल्यांकन के तकनीक और उपकरण).

- Testing concept and purpose (परीक्षण अवधारणा और उद्देश्य)

मूल्यांकन का शिक्षण प्रक्रिया की सफलता के निर्धारण में महत्वपूर्ण योगदान होता है। हम जब कोई भी कार्य करना प्रारम्भ करते हैं तो उसके पीछे कोई-न कोई उद्देश्य अवश्य छिपा रहता है। कुछ देर कार्य करने के बाद हमें जानने की उत्सुकता रहती है कि हम जो प्रयत्न कर रहे हैं वह ठीक दिशा में हो रहा है या नहीं और उनसे हमें उद्देश्य प्राप्ति में किस तरह सहयोग मिल रहा है। इस तरह से उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में प्रयत्नों की सार्थकता का पता लगाना ही एक प्रकार से उनका मूल्यांकन कहलाता है। यह केवल वर्तमान स्थिति की ही व्याख्या नहीं करता बल्कि भविष्य में होने वाले परिवर्तन की रूपरेखा भी तैयार करता है।

यही बात शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया हेतु किए जाने वाले प्रयत्नों पर भी लागू होती है। कक्षा तथा कक्षा के बाहर अन्य गतिविधियों द्वारा जो कुछ भी पढ़ा या पढ़ाया जाता है वह

Scanned with CamScanner

किस सीमा तक निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति में कितना सहायक है इस बात का पता लगाना ही उसका मूल्यांकन है।

मूल्यांकन केवल मात्र परीक्षण कार्यक्रम नहीं है। मूल्यांकन हेतु परीक्षण काम में लाए जाते हैं परन्तु ये परीक्षण उन विभिन्न तकनीकों (जैसे- निरीक्षण, चेकलिस्ट, प्रश्नावली, साक्षात्कार आदि) में से एक है जो एक सम्पूर्ण मूल्यांकन हेतु काम में लाई जाती है।

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसमें विद्यालय द्वारा बालकों में होने वाले व्यवहार परिवर्तनों के सम्बन्ध में सूचना एकत्रित की जाती है और उनकी व्याख्या की जाती है।

अतः मूल्यांकन बहुत ही सूक्ष्मता तथा सतर्कता के साथ किया जाना चाहिए। चूँकि मूल्यांकन द्वारा प्राप्त परिणामों का प्रयोग प्रायः शैक्षिक नियोजन में दूरवर्ती कार्यक्रमों के निर्माण में होता है।

मूल्यांकन के तकनीकों को मुख्य रूप से निम्नांकित भागों में बाँटा जा सकता है-

i.) अवलोकन तकनीक
ii.) स्व- आख्या तकनीक
iii.) परीक्षण तकनीक
IV) समाजमितीय तकनीक
V) प्रक्षेपी तकनीक

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन के उपकरण रूप में निम्नलिखित को वर्गीकृत किया जा सकता है:-

⇒ वस्तुनिष्ठ एवं आत्मनिष्ठ उपकरण (objective and subjective tools)

⇒ निर्धारण मापनियाँ (Rating scales)

⇒ प्रश्नावली उपकरण (Questionnaire)

⇒ अनुसूची (schedule) उपकरण

⇒ परिसूची (Inventory)

⇒ क्रियात्मक परीक्षण (Performance test)

Scanned with CamScanner

· Testing concept and purpose (परीक्षण अवधारणा और उद्देश्य)

टायलर (1969) के अनुसार - "परीक्षण वह मानकीकृत परिस्थिति है जिसमें व्यक्ति का प्रतिरूपी व्यवहार निर्धारित होता है।"

परीक्षण वह मानकीकृत साधन है जिसके द्वारा संपूर्ण मानव व्यवहार के विभिन्न पक्षों (योग्यताओं, उपलब्धियों, क्षमताएं, उपयोगिता, रूचि एवं व्यक्तित्व) संबंधी विशेषताओं का मात्रात्मक एवं गुणात्मक अध्ययन किया जाता है।

मनोविज्ञान शब्दावली के अनुसार - "मनोवैज्ञानिक परीक्षण व्यवहार प्रतिरूपी के मापन की एक ऐसी मानकीकृत तथा व्यवस्थित पद्धति है जो विश्वसनीय एवं वैध होती है तथा जिसके प्रशासन की विधि संरचित एवं निश्चित होती है। परीक्षण में व्यवहार मापन के लिए जो प्रश्न या पद होते है वह शाब्दिक और अशाब्दिक दोनो परीक्षणों के माध्यम से व्यवहार के विभिन्न मनोवैज्ञानिक पहलुओं यथा उपलब्धियों, रुचियों, योग्यताओं, अभिवृत्तियों तथा व्यक्तित्व शीलगुणों का परिमाणात्मक एवं गुणात्मक अध्ययन एवं मापन किया जाता है। इसमें से प्रमुख परीक्षणहैं -

(I) बुद्धि परीक्षण (II) अभिरुचि परीक्षण

(III) उपलब्धि परीक्षण (IV) व्यक्तित्व परीक्षण और

मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के जन्मदाता एस्क्वीरॉल (Esquiro) इस क्विरल (1772-1840) एवं सीगुइन (Seguin) (1812-1880) थे।

भारत में प्रथम अध्ययन सन् 1922 ई० में सी०एच० राइस ने सर्वप्रथम निर्माण किया जो एक बुद्धि परीक्षण था। जिसका नाम था - Hindustani Binet Performance Point Scale.

अलग अलग मनोवैज्ञानिकों ने इसे अपने अपने ढंग से परिभाषित किया है-

<u>फ्रीमैन के</u> अनुसार (1965)- मनोवैज्ञानिक परीक्षण एक मानकीकृत यन्त्र है, जिसके द्वारा समस्त व्यक्तित्व के एक पक्ष अथवा अधिक पक्षों का मापन शाब्दिक या अशाब्दिक अनुक्रियाओं या अन्य प्रकार के व्यवहार माध्यम से किया जाता है।"

<u>ब्राउन</u> के अनुसार - "व्यवहार प्रतिदर्श के मापन की व्यवस्थित विधि ही मनोवैज्ञानिक परीक्षण है।"

क्रानबैक (1971) के अनुसार - " एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण वह व्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्तियों के व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है।

Scanned with CamScanner

उद्देश्य -

किसी भी परीक्षण के कुछ विशिष्ट उद्देश्य होते हैं। परीक्षण के कुछ विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं -

⇒ वर्गीकरण एवं चयन

⇒ पूर्वकथन

⇒ भावी निर्देशन

⇒ तुलना करना

⇒ निदान

⇒ शोध

⇒ वर्गीकरण एवं चयन - प्रत्येक व्यक्ति की मानसिक योग्यता, अभिवृत्ति, रुचि, शीलगुणों में दूसरे से भिन्नता देखी जाती है। अतः जीवन के विविध क्षेत्रों में परीक्षणों के माध्यम से व्यक्तियों को भिन्न-भिन्न वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है। इन्हीं शारीरिक एवं मानसिक विभिन्नताओं के आधार पर व्यक्तियों का वर्गीकरण करना परीक्षण का एक प्रमुख उद्देश्य है न केवल वर्गीकरण वरन् किसी व्यवसाय या क्षेत्र विशेष में कौन सा व्यक्ति सर्वाधिक उपयुक्त होगा, इसका निर्धारण करने में भी परीक्षणों का महत्वपूर्ण स्थान होती है।

⇒ **पूर्व कथन (भविष्यवाणी)**

पूर्व कथन से हमारा तात्पर्य है किसी भी व्यक्ति अथवा कार्य के वर्तमान अवस्था के आधार पर उसके भविष्य के संबंध में विचार प्रकट करना या कहना। पूर्व कथन के लिए आवश्यक प्रमाणीकृत परीक्षणों की आवश्यकता होती है- जैसे -

- उपलब्धि परीक्षण
- अभिक्षमता परीक्षण
- बुद्धि परीक्षण
- व्यक्तित्व परीक्षण इत्यादि

उदाहरणार्थ - राहुल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सफल होगा या नहीं इस संबंध में पूर्व कथन करने के लिए अभिक्षमता परीक्षण उपयोगी होगी। श्याम किसी विषय जैसा- गणित, विज्ञान में उन्नति करेगा या नहीं इस संबंध में सटीक भविष्यवाणी करने के लिए उपलब्धि परीक्षण का सहारा लिया जा सकता है।

⇒ **मार्गनिर्देशन** - शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन प्रदान करना परीक्षणों का प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। इसके आधार पर किसी व्यक्ति को कौन सा व्यवसाय करना चाहिए अथवा किसी छात्र को कौन सा विषय का चयन करना चाहिए का मार्ग निर्देशन किया जाता है।

Scanned with CamScanner

उपलब्धि परीक्षा - यदि कोई छात्र 'उपलब्धि अभिक्षमता परीक्षण' में उत्तम अंक प्राप्त करता है, तो उसे उपलब्धियाँ पाने के लिए निर्देशित किया जा सकता है।

⇒ तुलना करना - संसार का प्रत्येक व्यक्ति प्राणी अपनी शारीरिक संरचना एवं व्यवहार के आधार पर एक दूसरे से भिन्न होता है। अतः व्यक्ति अथवा समूहों के तुलना तुलनात्मक अध्ययन के लिए परीक्षणों का प्रयोग किया जा सकता है।

⇒ निदान - शिक्षा के क्षेत्र में तथा जीवन के अन्य विविध क्षेत्रों में प्रत्येक को अनेकानेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है, इन समस्याओं का निदान करना भी है जिन परीक्षणों के माध्यम से विषय संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाता है उन्हें 'नैदानिक परीक्षण' कहते हैं।
विभिन्न प्रकार की समस्याओं के निदान एवं निराकरण दोनों में ही मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की अहम भूमिका होती है।

⇒ शोध - मनोविज्ञान के क्षेत्र में होने वाले विविध शोध कार्यों में सहायता प्रदान करना परीक्षणों का प्रमुख उद्देश्य है। परीक्षणों के माध्यम से अनुसंधान हेतु आवश्यक आँकड़े का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है। अनुसंधान क्षेत्र में परीक्षण एक यन्त्र, साधन या उपकरण के रूप में कार्य करते हैं।

Scanned with CamScanner